अनुक्रम

भाई मैं शर्मिंदा हूं	12
राम राज से जंगल राज तक	18
फासीवाद भैया तेजी से आयी!	24
अपनी केवल हार	30
गुजरातः एक और भूकंप के झटके	37
गर्व या शर्म! विजय या पराजय!	43
कविता का मुखौटा या मुखौटे की कविता	49
लेखक क्या हत्यारों के साझीदार हुए!	55
हम भी रखते हैं नैतिक पुलिस	63
तानाशाही का चेहरा और कविता	68
मोदीत्व तुझे सलाम	73